ShaneNabi.In

Best Sunni Islamic Website

(बेस्ट सुन्नी इस्लामिक वेबसाईट)

किस लब पे क्या दुआ है सरकार जानते हैं

(हिन्दी नात लीरिक्स)

लिखा है (लेखक): अभी नहीं मालूम

सोशल नेटवरकस पर हमें फ़ॉलो करें:

https://youtube.com/@shanenabi

https://www.facebook.com/shanenabi.in

https://www.instagram.com/shanenabi.in

https://twitter.com/ShaneNabi_In

अधिक लीरिक्स और इस्लामी सामग्री के लिए कृपया हमारी वेबसाईट https://shanenabi.in पर जाये

यह लीरिक्स https://shanenabi.in से डाउनलोड/प्रिंट किया गया है

सहायता/अनुरोध के लिए support@shanenabi.in पर हमसे संपर्क करें

सरकार जानते हैं, सरकार जानते हैं
सरकार जानते हैं, सरकार जानते हैं

किस लब पे क्या दु'आ है, सरकार जानते हैं
किस के दिलों में क्या है, सरकार जानते हैं

किस लब पे क्या सदा है, सरकार जानते हैं
साइल के दिल में क्या है, सरकार जानते हैं

सरकार जानते हैं, सरकार जानते हैं
सरकार जानते हैं, सरकार जानते हैं

मुर्दा है या कि ज़िंदा, बच्ची है या कि बच्चा
जो ग़ैब की ख़बर दे वो हैं हमारे आक़ा
किस को भला ख़बर है, मजबूर हर बशर है
माँ के शिकम में क्या है, सरकार जानते हैं

सरकार जानते हैं, सरकार जानते हैं
सरकार जानते हैं, सरकार जानते हैं

शाख़-ए-खजूर ले कर क़ब्रों पे डालते हैं
मय्यत की हर सज़ा को पल भर में टालते हैं
मुर्दा है किस जगह का, इस का है माजरा क्या
क़ब्रों में हाल क्या है, सरकार जानते हैं

सरकार जानते हैं, सरकार जानते हैं
सरकार जानते हैं, सरकार जानते हैं

मे'राज का सफ़र है, सरकार जा रहे हैं
और ला-मकाँ पहुँच कर तशरीफ़ ला रहे हैं

अधिक लीरिक्स और इस्लामी सामग्री के लिए कृपया हमारी वेबसाईट https://shanenabi.in पर जाये
यह लीरिक्स https://shanenabi.in से डाउनलोड/प्रिंट किया गया है
सहायता/अनुरोध के लिए support@shanenabi.in पर हमसे संपर्क करें

मे'राज की हक़ीक़त ईमान है ये अपना
पर्दे में क्या रखा है, सरकार जानते हैं

सरकार जानते हैं, सरकार जानते हैं
सरकार जानते हैं, सरकार जानते हैं

सिदरा पे ले के पहुँचे, जिब्रील साथ छोड़े
मुझ को न कुछ पता है, कहते हैं हाथ जोड़े
आगे, हुज़ूर ! जाएँ, ये मेरी इंतिहा है
सिदरा के आगे क्या है, सरकार जानते हैं

सरकार जानते हैं, सरकार जानते हैं
सरकार जानते हैं, सरकार जानते हैं

कभी क़ाफ़ कह रहे हैं, कभी सॉद कह रहे हैं
कभी 'ऐन कह रहे हैं, कभी हा पे रह रहे हैं
जिब्रील कह रहे हैं, ये राज़ की हैं बातें
मा'ना मफ़्हूम क्या है, सरकार जानते हैं

सरकार जानते हैं, सरकार जानते हैं
सरकार जानते हैं, सरकार जानते हैं

शीशों के घर में रह कर पत्थर उछालते हैं
'उश्शाक़-ए-मुस्तफ़ा तो तक़दीर टालते हैं
हाँ, मीर ! रब है ख़ालिक़ और मुस्तफ़ा हैं मालिक
क़िस्मत में क्या लिखा है, सरकार जानते हैं

सरकार जानते हैं, सरकार जानते हैं
सरकार जानते हैं, सरकार जानते हैं

© ShaneNabi.In
@ShaneNabi.In